- ❖ कोर्स - बी.ए.(ऑनर्स) हिन्दी
- ❖ यूनिक पेपर कोड – 12051602
- ❖ शीर्षक- निबन्ध एवं अन्य गद्य विधाएँ
- ❖ सेमस्टर – VI

पूर्णांक - 75 समय 2 घण्टे

आवश्यक निर्देश :

1. उत्तर के पूर्व प्रश्नों को अच्छे से समझने का प्रयास करें।
2. छह प्रश्नों में से किन्हीं भी **चार** प्रश्न के उत्तर दिए जाने हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न 18.75 अंक का होगा।

---

1. निम्नलोखित किन्हीं **दो** गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 9.25+9.50=18.75

क) जीभ को ना दबाना अनेक बुराई और क्लेश का कारण है। महाभारत ऐसा सर्वनाशी संग्राम इसी जीभ के न दबाने की बदौलत किया गया। द्रौपदी ने यदि दुर्योधन को 'अंधे के अंधे होते हैं' इस मर्म भेदी वाक्य को कह मर्म ताडन न किया होता और दुर्योधन को पाण्डवों से खार न पैदा हुई होती तो परिणाम में अट्ठारह आक्षौहिणी सेना काहे को कट मरती, जिसका धक्का जो हिंदुस्तान को लगा बल्कि जैसा कारी घाव उसके शरीर में हो गया उसकी मरहमपट्टी आजतक न हो सकी।

ख) जो समझता है कि वह दूसरों का अपकार कर रहा है, वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरा उसका अपकार कर रहा है, वह भी बुद्धिहीन है। कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका अपकार कर रहा है? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है, अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास विधाता की योजना के अनुसार। किसी को उससे सुख मिल जाए, बहुत अच्छी बात है, नहीं मिल सका कोई बात नहीं; परंतु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए। सुख पहुंचाने का अभिमान यदि गलत है, तो दुःख पहुंचाने का अभिमान तो नितरां गलत है।

munotes.in

ग) गाँधी जी के असहयोग आंदोलन और चरखा अभियान से अनेक उदारपंथी विचारक चिंतित हो गए थे। वे भारत और ब्रिटेन का संबंध तोडने के पक्ष में न थे। वे ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर भारत को 'डोमीनियन' या अर्द्ध-उपनिवेश बनाने का स्वप्न देख रहे थे। रवीन्द्रनाथ राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन के नए उभार का समर्थन न करके पूर्व और पश्चिम को सांस्कृतिक धरातल पर मिलाने का प्रचार कर रहे थे।

घ) जैसे अपने जड तन से निकलकर तादात्म्य मन कहीं घोर निभृत में विभोर हो रहा हो, चेहरे पर तनाव नहीं, रम्य रेखाओं में सलवटें नहीं-असंभव की संभावनाओं से उदासीन, आत्मानुशासित दृष्टि का सृष्टि-चेतन प्रसार। मैं छेडता न था कि उस एकात्म चैतन्य-चन्द्र पर बादल न रुके, कुमुद न कुम्हलाए तनिक कंकडी के पेड स्वस्थ जल घायल न हो।

2. आचरण की सभ्यता में निहित उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 18.75

3 'मेरे राम का मुकुट भींग रहा है' का प्रतिपाद्य लिखिए। 18.75

4 'वैष्णव की फिसलन' में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। 18.75

5 'नए संघर्ष' के आधार पर निराला के संघर्ष का विश्लेषण कीजिए। 18.75

6 सुभान खाँ की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। 18.75

munotes.in